ईएसआइसी कार्डधारकों के बच्चों का प्रवेश आसान

11 मेडिकल कालेजों में 466 व एक डेंटल कालेज में 28 सीटें आरक्षित

मुकेश चंद्र श्रीवास्तव • जागरण

- प्रवेश के लिए देना होगा आश्रित होने का प्रमाणपत्र, 18 मई तक आनलाइन आवेदन
- पढ़ाई के लिए केवल 24,000 रुपये का वार्षिक शुल्क जमा करना होगा

वाराणसी : अगर आप कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआइसी) कार्ड धारक हैं और आपके बच्चे नीट पास करते हैं तो उनका मेडिकल कालेज में प्रवेश आसान होगा।

केंद्र सरकार की योजना के तहत ईएसआइसी के बीमितों के बच्चों के लिए देश के 11 मेडिकल कालेजों में 466 सीटें व एक डेंटल कालेज में 28 सीटें आरक्षित की गई हैं।

इस योजना के तहत प्रवेश पाने के लिए अभ्यर्थियों को कार्डधारक के आश्रित होने (वार्ड आफ आइपी सर्टिफिकेट) का प्रमाण पत्र देना होगा। इस प्रमाण पत्र के लिए 18 मई तक ही आनलाइन आवेदन करना होगा।

ईएसआइसी मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल • जागरण

ईएसआइसी के वाराणसी स्थित उप क्षेत्रीय कार्यालय के संयुक्त निदेशक संजय कुमार बताते हैं कि केंद्र सरकार की इस योजना के तहत कार्डधारक के बच्चों (21 वर्ष की आयु तक) को, जिन्होंने नीट पास की है, उनको देशभर के ईएसआइसी के क्षेत्रीय व उप क्षेत्रीय कार्यालयों से वार्ड आफ आइपी (इंश्योरेंस्ड पर्सन) सर्टिफिकेट जारी किए जाएंगे। इसके आधार पर उनका नामांकन विभिन्न ईएसआइसी मेडिकल कालेजों में आइपी कोटा के तहत आरक्षित सीटों पर हो पाएगा। इससे कमजोर वर्ग के बच्चों का सपना पूरा होगा।

कमजोर वर्ग के बच्चे बनेंगे डाक्टर, सपना होगा पूरा

निदेशक संजय कुमार ने बताया कि इस वर्ष नीट में सम्मिलित कार्डधारक के बच्चों को इन सीटों पर नामांकन के लिए सर्टिफिकेट आवश्यक है। इसके लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया ईएसआइसी की वेबसाइट www.esic.gov.in पर आरंभ हो चुकी है, जिसकी अंतिम तिथि 18 मई है। संयुक्त निदेशक ने यह भी बताया कि इन सीटों पर नामांकन पाने वाले छात्रों को केवल 24,000 रुपये का वार्षिक शुल्क जमा करना होगा। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के कार्डधारक के बच्चों के डाक्टर बनने का सपना पूरा हो सकेगा। ईएसआइ अधिनियम की धारा 2(14) के तहत 30 सितंबर 2024 तक आइपी की अर्हता रखने वाले ही वार्ड आफ आइपी सर्टिफिकेट के लिए आवेदन करने के योग्य होंगे। इस और विस्तृत जानकारी ईएसआइसी की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

संजय कुमार